

# Yogoda Satsanga Mahavidyalaya

Department of Commerce

Semester III

Subject: Indian Economy

**Topic: Trends and Growth of the Indian Economy**

## Introduction (परिचय)

The Indian economy is one of the fastest-growing economies in the world. Since its independence in 1947, India has moved from an agrarian economy to a diversified one, encompassing agriculture, industry, and services. Economic planning, liberalization, and globalization have played a major role in shaping its growth trajectory.

भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की सबसे तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। स्वतंत्रता के बाद 1947 से भारत एक कृषि-प्रधान अर्थव्यवस्था से विकसित होकर कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र को सम्मिलित करने वाली विविधतापूर्ण अर्थव्यवस्था बन गया है। आर्थिक नियोजन, उदारीकरण और वैश्वीकरण ने इसके विकास पथ को निर्धारित किया है।

## 1. Growth Trends Since Independence (स्वतंत्रता के बाद विकास की प्रवृत्तियाँ)

### 1950–1980 (Planning Era):

Focus on the public sector and self-reliance. Growth rate averaged around 3.5% per annum — known as the “**Hindu rate of growth.**”

### 1980–1990 (Reform Initiatives):

Partial liberalization and industrial reforms increased growth to around 5–6%.

### 1991 onwards (Liberalization Era):

Economic reforms under the **New Economic Policy (NEP)** led to higher growth, driven by the private sector and foreign investment.

### 2000s:

The service sector became dominant. GDP growth averaged 7–8%.

**2014 Onwards:**

Focus on *Make in India*, *Digital India*, and *Startup India* initiatives, improving business environment.

**Post-2020:**

After COVID-19 setback, the economy rebounded strongly, led by technology, infrastructure, and exports.

**1950–1980 (योजना काल):**

सार्वजनिक क्षेत्र और आत्मनिर्भरता पर जोर। औसत वृद्धि दर लगभग 3.5% — जिसे "हिंदू ग्रोथ रेट" कहा गया।

**1980–1990 (सुधार की शुरुआत):**

आंशिक उदारीकरण और औद्योगिक सुधारों से वृद्धि दर 5–6% तक पहुँची।

**1991 के बाद (उदारीकरण काल):**

नई आर्थिक नीति (NEP) के तहत सुधारों से निजी क्षेत्र और विदेशी निवेश में वृद्धि हुई।

**2000 के दशक:**

सेवा क्षेत्र का प्रभुत्व बढ़ा। GDP वृद्धि दर औसतन 7–8% रही।

**2014 के बाद:**

*मेक इन इंडिया*, *डिजिटल इंडिया*, *स्टार्टअप इंडिया* जैसी योजनाओं से व्यावसायिक वातावरण में सुधार हुआ।

**2020 के बाद:**

कोविड-19 के बाद अर्थव्यवस्था ने तकनीकी, अवसंरचना और निर्यात के बल पर पुनरुत्थान किया।

**2. Sectoral Growth (क्षेत्रवार विकास)**

**Agriculture:** Contribution to GDP has fallen from 50% (1950) to around 16% (2025), but it still employs nearly 40% of the workforce. Focus is on modernization and sustainable farming.

**Industry:** Contributes around 30% of GDP. Sectors like automobiles, steel, and electronics have grown rapidly.

**Services:** The leading sector, contributing over 50% of GDP, led by IT, telecom, finance, and tourism.

**कृषि क्षेत्र:** GDP में योगदान 1950 में 50% से घटकर लगभग 16% (2025) रह गया है, लेकिन अब भी लगभग 40% लोग कृषि में कार्यरत हैं। आधुनिक और सतत कृषि पर ध्यान दिया जा रहा है।

**औद्योगिक क्षेत्र:** GDP में लगभग 30% योगदान देता है। ऑटोमोबाइल, स्टील और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्र तेजी से बढ़े हैं।

**सेवा क्षेत्र:** सबसे प्रमुख क्षेत्र है, जो GDP में 50% से अधिक योगदान देता है — सूचना तकनीक, दूरसंचार, वित्त और पर्यटन प्रमुख चालक हैं।

### 3. Major Economic Reforms (मुख्य आर्थिक सुधार)

**1991 LPG Reforms:** Liberalization, Privatization, and Globalization opened India to world markets.

**GST (2017):** Simplified indirect taxation system.

**Digital India (2015):** Promoted digital payments and e-governance.

**Atmanirbhar Bharat (2020):** Encouraged domestic production and self-reliance.

**PLI (Production Linked Incentive) Schemes:** Incentives for manufacturing and exports.

**1991 के एलपीजी सुधार:** उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण से भारत विश्व बाजार से जुड़ा।

**जीएसटी (2017):** अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था को सरल बनाया।

**डिजिटल इंडिया (2015):** डिजिटल भुगतान और ई-गवर्नेंस को बढ़ावा दिया।

**आत्मनिर्भर भारत (2020):** घरेलू उत्पादन और आत्मनिर्भरता पर बल दिया।

**पीएलआई योजनाएँ:** विनिर्माण और निर्यात को प्रोत्साहन दिया गया।

### 4. Indicators of Economic Growth (आर्थिक विकास के संकेतक)

Indicator	1950	1991	2025 (approx)

GDP Growth Rate	3.5%	5.6%	7%+
Per Capita Income (₹)	265	6,270	>1,70,000
Literacy Rate	18%	52%	79%
Life Expectancy	32 years	58 years	70+ years
Poverty Ratio	55%	36%	<15%

**Source:** Compiled from RBI, NSO, NITI Aayog, Economic Survey, World Bank, and IMF (2025 projections).

भारत में GDP, साक्षरता, आयु और आय स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जबकि गरीबी दर घटती गई है।

## 5. Challenges of the Indian Economy (भारतीय अर्थव्यवस्था की चुनौतियाँ)

Unemployment and underemployment

Rural-urban inequality

Inflation and fiscal deficit

Low productivity in agriculture

Need for skill development and technological advancement

बेरोजगारी और अपूर्ण रोजगार

ग्रामीण-शहरी असमानता

मुद्रास्फीति और राजकोषीय घाटा

कृषि क्षेत्र में कम उत्पादकता

कौशल विकास और तकनीकी प्रगति की आवश्यकता

## 6. Future Prospects (भविष्य की संभावनाएँ)

India aims to become a \$5 trillion economy by 2030. Focus areas include green energy, digital economy, startup ecosystem, and infrastructure growth. With demographic advantage and innovation, India is poised to become a global economic leader.

भारत का लक्ष्य 2030 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है। हरित ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्टार्टअप और अवसंरचना विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। युवा जनसंख्या और नवाचार के बल पर भारत वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की ओर अग्रसर है।

## Conclusion (निष्कर्ष)

The growth and trends of the Indian economy reflect a journey from poverty and dependence to progress and global recognition. Continuous reforms, innovation, and inclusive development are key to sustaining this growth.

भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रवृत्तियाँ और विकास एक ऐसी यात्रा को दर्शाती हैं जो गरीबी और निर्भरता से प्रगति और वैश्विक मान्यता तक पहुँची है। निरंतर सुधार, नवाचार और समावेशी विकास ही इसके सतत विकास की कुंजी हैं।